Publication: Navbharat Times
Date: 12/06/2020

NBT
नवभारत टाइम्स

अगले महीने सिनेमा थिएटर खुलने पर पहले रिलीज होंगी पुरानी सुपरहिट फिल्में

दर्शकों को लुभाने को मुफ्त फिल्म दिखाने की हो रही तैयारी!

दुनियाभर में खुल रहे सिनेमाघरों को देखते हुए भारत में भी अगले महीने सिनेमा खुलने की उम्मीद लगाई जा रही है। जानकारों का मानना है कि दर्शकों को सिनेमाघर में लौटाने की खातिर सिनेमाघरवाले पुरानी सुपरहिट फिल्में रिलीज करके दर्शकों को मुफ्त या बहुत कम कीमत में टिकट दे सकते हैं :

Prashant.Jain@timesgroup.com

सरकार ने पिछले दिनों सिनेमाघरों को अनलॉक के तीसरे फेज में खोलने की घोषणा की है। जानकारों का मानना है कि सिनेमाघर जुलाई के दूसरे-तीसरे हफ्ते में खुल सकते हैं। इस बारे में बात करने पर यूएफओ मूवीज के जेएमडी कपिल अग्रवाल ने बताया, 'पिछले हफ्ते देश की बड़ी मल्टिप्लैक्स चेनों, यूएफओ मूवीज और साउथ के बड़े निर्माताओं ने सूचना एवं प्रसारण मंत्री से मीटिंग के दौरान अपील की थी कि सिनेमाघरों को जल्द से जल्द खोला जाए। हमारी उनसे सकारात्मक बातचीत हुई है। इसलिए हमें जुलाई में सिनेमाघर खुलने की उम्मीद है। हमने उनसे कहा है कि देशभर के सिनेमा एकसाथ खोले जाएं। दुनिया भर में भी सिनेमा खुल गए हैं। मसलन अमेरिका के कई शहरों के अलावा यूरोप, जापान, दुबई और चाइना में सिनेमा खुल गए हैं। जबकि सभी देश कोरोना का सामना कर रहे हैं। इसलिए हमारी सरकार भी जल्द सिनेमा खोलने का फैसला ले सकती है।'

> **फिर से लाएंगे दर्शकों को सिनेमा**
> **दर्शकों को दोबारा सिनेमा में लाने के लिए सब मिलकर जुटे हैं। मसलन प्रोड्यूसर्स सिनेमावालों से कह रहे हैं कि आप पुरानी फिल्में मुफ्त में दिखाएंगे, तो हम भी आपसे कोई फीस नहीं लेंगे।** -कपिल अग्रवाल, जेएमडी, यूएफओ मूवीज

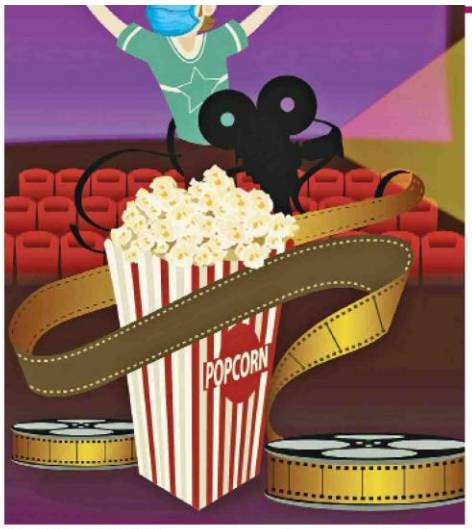

कौन सी फिल्में होंगी रिलीज

अब बड़ा सवाल यह है कि सिनेमा खुलने पर पहले दिन से नई फिल्में तो रिलीज नहीं होंगी, क्योंकि पहले दिन से दर्शक भी सिनेमा में नहीं आएंगे। तो फिर सबसे पहले कौन सी फिल्में रिलीज होंगी? बात अगर दूसरे दौर की करें, तो दुबई में ड्रीम गर्ल और गुड न्यूज जैसी फिल्मों को दोबारा रिलीज किया गया है। इस बारे में फिल्म एग्जीबिटर अक्षय राठी कहते हैं, 'शुरुआत में कुछ पुरानी फिल्मों को सिनेमा में दिखाया जाएगा, लेकिन इनमें कुछ नई भी होंगी। मुझे लगता है कि सिनेमाघरों के दोबारा खुलने पर कुछ फिल्मों के पैकेज रिलीज हो सकते हैं। मसलन एक रोहित शेट्टी का पैकेज हो गया, तो एक पैकेज सलमान की फिल्मों का हो सकता है। ऐसे ही ऐक्शन, कॉमिडी या हॉलिवुड जैसी कुछ कैटेगरी के पैकेज बनाए जा सकते हैं। इसके अलावा कुछ नई छोटी फिल्में भी आ सकती हैं, जिन्हें शुरुआत में चलाया जा सकता है। सिनेमा शुरू होने के एक महीने में जैसे-जैसे नियम पूरी तरह फॉलो होने लगेंगे और सिनेमावाले ऑडियंस का एक बार भरोसा जीत लिया, उसके बाद मध्यम बजट की फिल्में आना शुरू हो जाएंगी। फिर सबसे आखिर में त्यौहारी सीजन में बड़े सितारों की बड़े बजट वाली बड़ी फिल्में भी रिलीज होंगी।'

'फ्री में फिल्में दिखाएंगे सिनेमा'

फिलहाल सिनेमावालों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि दोबारा सिनेमा खुलने पर दर्शकों के मन से डर निकाल कर उन्हें कैसे सिनेमा में लाया जाए? इसके जवाब में कपिल कहते हैं, 'शुरुआत में सिनेमावाले दर्शकों को बुलाने के लिए तमाम कोशिशें करेंगे। इसके लिए वे प्लान कर रहे हैं कि सिनेमा खुलने पर सबसे पहले पुरानी सुपरहिट फिल्मों को लगाया जाए, जिनमें रोहित शेट्टी की फिल्में, करण जौहर की फिल्में और आदित्य चोपड़ा की हिट फिल्में शामिल हैं। इसके अलावा, हॉलिवुड की सुपरहिट अवतार और साउथ सिनेमा की बाहुबली जैसी फिल्में चलाई जा सकती हैं। कई महीनों के लॉकडाउन के बाद लोग घरों से बाहर निकलना चाहते हैं। वहीं सिनेमावालों ने भी सुरक्षा के सारे साधन जुटा लिए हैं। सिनेमावालों को दर्शकों को लुभावने ऑफर देने होंगे। इसके लिए वे मुफ्त टिकट से लेकर एक के दाम में दो टिकट तक का फार्मूला भी आजमा सकते हैं। वहीं प्रोड्यूसर्स भी सिनेमावालों को सपोर्ट करने को तैयार हैं, वे पुरानी फिल्मों के लिए सिनेमावालों से कोई पैसा नहीं लेंगे। इस तरह सभी साथ मिलकर दर्शकों को सिनेमा तक लाने के लिए काम कर रहे हैं।'

'एकजुट हो गई है इंडस्ट्री'

जानकारों का मानना है कि शुरुआत में दर्शकों को लुभाने के लिए सिनेमावालों को कुछ इंवेस्टमेंट करना होगा। अगर दर्शक ही नहीं आएंगे, तो सिनेमा खोलने का क्या फायदा होगा। कपिल कहते हैं, 'कोई भी नया प्रॉडक्ट जब मार्केट में आता है, तो लोगों को उसके फ्री सैंपल दिए जाते हैं और बाद में लोग उसे खरीदते हैं। कोरोना के बाद आप दर्शकों को सिनेमा बुलाना चाहते हैं, तो आपको फ्री या बहुत कम दाम में दर्शकों को सिनेमा बुलाकर दिखाना होगा कि उनकी सुरक्षा के लिए क्या तैयारी है। उसके बाद दर्शक नई फिल्मों के टिकट खरीद कर सिनेमा आने लगेंगा। यह एक पूरी चेन है, जिसमें सिनेमावालों से लेकर प्रोड्यूसर, कलाकार, ऐक्टर, डिस्ट्रीब्यूटर और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियां तक सब शामिल हैं और सिनेमा बंद होने से सबको ही घाटा हो रहा है। दर्शकों को दोबारा सिनेमा में लाने के लिए हम सब मिलकर कोशिश में जुटे हैं। जिससे भी जो बन पड़ेगा, वह अपनी ओर से कोशिश करेगा। मसलन प्रोड्यूसर्स सिनेमावालों से कह रहे हैं कि आप पुरानी फिल्में मुफ्त या बहुत कम दाम में दिखाएंगे, तो हम भी फीस नहीं लेंगे या बहुत कम दाम लेंगे। हमें पूरी इंडस्ट्री को एकजुट होकर दर्शकों को सिनेमा में वापस लाना है।'

'मुफ्त में मिलें पुरानी फिल्में'

वेव सिनेमाज के वाइस प्रेजिडेंट योगेश रायजादा कहते हैं, 'पहली बात तो यह है कि शुरुआत में सरकार सिनेमाघरों को कम समय के लिए खोलेगी। वे कहेंगे कि सुबह 10 बजे खोलो और शाम को छह बजे बंद कर दो। बात अगर इस दौरान रिलीज होने वाली फिल्मों की करें, तो ये पिछले साल की हिट फिल्में हो सकती हैं। हालांकि इनको निर्माताओं की ओर से एग्जीबिटर्स को बिना किराए या कम किराए पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए, ताकि शुरुआत में सिनेमा को कम खर्च पर चलाने में मदद मिल सके।' वहीं कपिल कहते हैं, '17 जुलाई को टेनेट, 24 जुलाई को मुलान और 14 अगस्त वंडर वुमन 1984 जैसी बड़ी हॉलिवुड फिल्में रिलीज होने जा रही हैं। इसलिए हॉलिवुड के तमाम स्टूडियोज ने मिलकर सरकार से सिनेमा खोलने की मांग की है। आने वाले दिनों में हमारे यहां के सिनेमाघरों को भी इसका फायदा मिल सकता है कि जुलाई के मध्य में हम हॉलिवुड की नई और बॉलिवुड की पुरानी फिल्मों के सहारे सिनेमा खोल सकते हैं। हमारे यहां भी दर्शक हॉलिवुड की नई फिल्मों को देखने सिनेमा में आएंगे। इससे भारतीय निर्माताओं को भी दर्शकों का रिस्पॉन्स भी पता लग जाएगा कि वे सिनेमा में आएंगे या नहीं।'